वार्तालाप नं. 493, जम्मू-2, दिनांक 14.01.08
Disc.CD No. 493, dated 14.01.08 at Jammu-2

समयः 03.40-06.25

जिज्ञासु- बाबा, ऐसे कोई-2 एडवांस में आने के बाद भी बेसिक में गुप्त चलते हैं। एडवांस ज्ञान उनको भी देने के भावना से जब वो गुप्त में सेंटर पर जाते हैं तब उनको पैसा देना पड़ता है। वो लोग दे देते हैं। तब भी हिसाब-किताब बन जाता है क्या? सेंटरों में पैसा दे देंगे बाबा को पहचानने के बाद।

बाबा- दो नावों पर बुद्धिरूपी पाँव बराबर-2 जमा के चलेगा। दो नावें चल रही हैं। इसमें भी पाँव अड़ाया हुआ है। ये भी न छूट जाए। इसमें भी पाँव अड़ाया हुआ है। वो भी न छूट जाए। तो हाल क्या होगा? टाँगे चीरेंगी या रह जायेंगी?

जिज्ञासु- बाबा, सेवा के लिए।

बाबा- क्या सेवा के लिए? अरे! दोनों में बैलेन्स रखा हुआ है। इधर भी पाँव अड़ाया हुआ है। उधर भी पाँव अड़ाया हुआ है। ये भी नहीं छोड़ेंगे वो भी नहीं छोड़ेंगे।

Time: 03.40-06.25

Student: Baba, some souls continue to follow basic (knowledge) in a secret way even after coming to the advance (party). When they go to the (BK) center in a secret form with the purpose of giving them advance knowledge, then they have to give them money; they give them. Does that also lead to a karmic account, if they give money at (BK) centers after recognizing Baba?

Baba: If someone walks by placing his intellect-like leg on two boats; suppose two boats are moving; someone has placed one leg in this one so that he does not miss this boat and if he has placed one leg in that one as well, so that he does not miss that boat as well, then what will be his condition? Will his legs tear apart or will they remain intact?

Student: Baba, for the purpose of service.

Baba: For which service? Arey! If you maintain a balance between both of them; you have placed a leg there and a leg here. You will not leave that one and you will not leave this one as well.

जिज्ञासु- तो सेवा के हिसाब से एक ही नाव होना चाहिए।

बाबा- पूरा बुद्धिरूपी पाँव का बैलेन्स एक नाव में होना चाहिए। दूसरी नाव में रखें जैसे ही देखें कि ये हिल-डुल रही है, डूब रही है। हटा लो। हमारी बात नहीं मानता हटा लो। ये हमारे कुल का है ही नहीं। बुद्धिरूपी पाँव का दबाव वहाँ रखने की क्या ज़रूरत? हम अपना बीज क्यों बोए वहाँ? अरे! जहाँ बीज बोयेंगे वो काटना पड़ेगा कि नहीं?

Student: So, from the point of view of service should we place our leg in only one boat?

Baba: The entire intellect-like leg should be balanced in one boat. If you place it in another boat, as soon as you see that it is shaking, it is sinking, remove it (from that boat). If he is not listening to you, then take it off. He does not belong to our clan at all. Where is the need to

exert the pressure of the intellect-like leg there? Why should we sow our seed there? Arey! Will we not have to reap (the crop) wherever we sow the seed?

<u>जिज्ञासु-</u> अगर आग जल रही है अपने घर को बचाना है। घर में रहेंगे तब तो बचायेंगे। बेसिक में रहते हुए ही सेवा....।

<u>बाबा-</u> बेसिक हमारा घर है अभी? कि खलास होने वाला है? वो सब विनाश होने से पहले खलास हो जायेंगे या रहेंगे?

<u>जिज्ञासु-</u> खलास होने वाला है।

<u>बाबा-</u> हमारा परिवार है?

<u>जिज्ञासु-</u> बाबा, प्रक्टिकल तो रहना पड़ेगा ना?

<u>बाबा-</u> प्रक्टिकल माना?

<u>जिज्ञासु-</u> बुद्धि में नहीं रखना है।

<u>बाबा-</u> नहीं। हम अंदर से समझेंगे कि इन्होंने हमको बेसिक ज्ञान दिया है हमारे निमित्त बने हैं बेसिक ज्ञान के। ये भले हमको छोड़ दे लेकिन हम इनको छोड़ेंगे नहीं। हम इनको भगवान का परिचय देकरके छोड़ेंगे।

Student: If our house is burning we should save our house. We will be able to save only if we remain in the house. We can do service only while being in basic….
Baba: Is basic (party) our home now? Or is it going to perish? Will all those perish or survive before destruction?
Student: It is going to perish.
Baba: Is it our family?
Student: Baba, we will have to live in practice, will we not?
Baba: What is meant by 'practical'?
Student: We should not keep in the intellect.
Baba: No. From within we will think: this one has given me basic knowledge; he has become an instrument in giving me basic knowledge. He may leave me, but I will not leave him. I will certainly give him God's introduction.

<u>जिज्ञासु-</u> बाबा, बेसिक में जो हमने तन, मन, धन से अपना जो भी सफल किया है उसको किस खाते में गिनेंगे?

<u>बाबा-</u> भक्तिमार्ग के आखरी जन्म के खाते में। भक्तिमार्ग में जो भक्ति की है दान, पुण्य किया है उसका फल मिलेगा कि नहीं मिलेगा? भक्तिमार्ग का जो लास्ट जन्म है उसमें जो कुछ भी हमने दान, पुण्य किया उसका फल नहीं मिलेगा? भक्ति का फल भगवान मिलता है। और भगवान से ज्ञान मिलता है। व्यर्थ कुछ नहीं जाता। आपने जो दिया वो व्यक्तियों को दिया, व्यक्तियों से प्रभावित होकर दिया या भगवान को दिया?

<u>जिज्ञासु-</u> भगवान को दिया।

<u>बाबा-</u> भगवान को दिया तो भगवान उसका फल देगा।

Student: Baba, under what account will the body, mind, wealth that we have invested in basic (knowledge) be counted?
Baba: In the account of the last birth of the path of *bhakti*. Will you get the fruits of the *bhakti*, donations and noble acts that you performed in the path of *bhakti* or not? Will we not get the fruits of whatever donations that we gave or the noble acts that we performed in the last birth of the path of *bhakti*? We get God as a fruit of *bhakti*. And we get knowledge from God. Nothing goes waste. Whatever you gave, did you give it to people, did you give under the influence of people or did you give it to God?
Student: We gave it to God.
Baba: We gave it to God. So, God will certainly give its fruits.

समय- 6.26-8.00

जिज्ञासु- बाबा, इस समय जो इतने अमीर लोग हैं इतने प्रतिष्ठा वाले हैं इनका क्या कारण है? आज कलियुग के अंत में भी बहुत धनवान हैं, बहुत प्रतिष्ठावान हैं।

बाबा- मान-मर्तबा बहुत है। ये स्वामी रामदेव हैं बहुत मान-मर्तबा बढ़ रहा है।

जिज्ञासु- अभी माउंट आबू होके आए हैं।

बाबा- हाँ। बहुत मान-मर्तबा बढ़ रहा है तो इनका जो मान-मर्तबा बढ़ रहा है। और कौनसे युग में बढ़ रहा है? और उस युग के कौनसे चरण में बढ़ रहा है? कलियुग अंत में बढ़ रहा है ना। तो इन्होंने भगवान को कब पहचाना होगा? कौनसे शूटिंग में पहचाना होगा? कलियुग अंत की जो शूटिंग रही होगी उसी में पहचाना होगा।

Time: 6.26-8.00
Student: Baba, what is the reason that there are such prosperous people, famous people at present? There are many wealthy people, dignitaries even in the end of the Iron Age.
Baba: They command a lot of respect. There are people like Baba Ramdev. His respect and position is increasing.
Student: He has recently been to Mount Abu.
Baba: Yes. His respect and position is increasing a lot. So, his respect and position is increasing; and in which age is it increasing? And in which phase of that age is it increasing? It is increasing in the end of the Iron Age, isn't it? So, when would have these people recognized God? In which shooting (period) would they have recognized? They must have recognized (the Father) in the shooting of the end of the Iron Age.

जिज्ञासु- इन्होंने सहयोग दिया होगा ना भगवान को।

बाबा- अंत में सहयोग दिया तो अंत में ही प्राप्ति करेंगे ना।

Student: They must have helped God, wouldn't they have?
Baba: They helped in the end. So, they will make attainments in the end itself.

जिज्ञासु- आज बाबा के बच्चे जो गरीब हैं उनका खतम हो गया खा-पीकर पिछले जन्मों में।

बाबा- उनके 84 जन्म नहीं हुए। रामदेव का तो ये लास्ट जन्म है एक ही जन्म है। आधा टाईम सुख भोगेगी वो आत्मा और आधा टाईम दुख भोगेगी। आधा टाईम मान-मर्तबा भोगेगी।

Student: Baba's children who are poor today must have exhausted their stock in eating and drinking in the past births.
Baba: Did they not take 84 births. In case of Ramdev, it is the last birth; it is the only birth. That soul will enjoy happiness for half the time and sorrow for half the time. For half the time he will enjoy respect and position.

जिज्ञासु- अभी उसका दुख का समय आने वाला है ना।

बाबा- सभी जो ऊपर से नीचे आती है द्वापर युग से पहले सतोप्रधान लास्ट में तमोप्रधान। क्राइस्ट के लिए क्या बोला? क्राइस्ट इस समय भीख मांग रहा है। आप बच्चे कम से कम भीख मांगने वाले तो नहीं बनते हो अंतिम जन्म में।

जिज्ञासु- तो ये शरीर छोड़के अपना जो है दुख का पार्ट प्ले करेंगे?

बाबा- बिल्कुल करेंगे। हर चीज, हर आत्मा, हर कण-2। चारों अवस्थाओं से पसार होता है।

Student: Now he is going to face the time sorrow, is he not?
Baba: All the souls which descend from above from the Copper Age onwards are initially in a *satopradhan* stage and then they become *tamopradhan* (degraded) in the last. What has been said about Christ? Christ is begging at present. At least you children do not become beggars in the last birth.
Student: So, will he leave this body and play his part of sorrow?
Baba: He will certainly. Every thing, every soul, every atom has to pass through four stages.

समय:10.39-11.40

जिज्ञासु- बाबा, बेसिक वालों को नालेज देने के लिए बेसिक वालों के साथ संपर्क तो रखना पड़ेगा ना?

बाबा- ये किसने कहा कि आप दोनों तरफ तोड़े न निभाओ। तोड़ निभाओ लेकिन बुद्धि का, पाँव का दबाव किस तरफ रखना है?

जिज्ञासु- बाबा की तरफ।

बाबा- हाँ। बाबा की तरफ रहे। दिखाने के लिए पाँव रखा हुआ है।

Time: 10.39-11.40
Student: Baba, we will have to be in contact with the followers of basic knowledge in order to give them knowledge.
Baba: Who told you that you should not maintain a balance between both sides? Maintain the relationship, but on which side should your intellect-like leg exert its pressure?
Student: Towards Baba.
Baba: Yes. It should be towards Baba. Just for showing off you have placed your leg (there).

<u>**जिज्ञासु-**</u> बाबा, ऐसे ही एक आत्मा दोनों तरफ निभा रही थी। और उधर जाके खाया-पीया और इधर को भूल गई।

<u>**बाबा-**</u> संग का रंग लेंगे अन्नदोष लगायेंगे। तो असर तो पड़ेगा ना।

<u>**जिज्ञासु-**</u> वो आत्मा अभी बोलती है कि मुरली तो सुननी है घर में ही सुन लूंगी।

<u>**बाबा-**</u> ठीक है उनकी बुद्धि में ये बात आपने नहीं बैठाई है। एडवांस में था पहले? आपने ये बात बुद्धि में बैठाई नहीं कि फर्स्ट क्लास मुरली क्या होती है, सेकण्ड क्लास मुरली क्या होती है और थर्ड क्लास मुरली क्या होती है? ये गलती किसकी रही?

Student: Baba, a soul was maintaining the relationship with both sides like this. And after going there he forgot this side while eating and drinking (there).
Baba: If you are coloured by their company, if you eat their food, then it will cast its influence, will it not?
Student: That soul now says: if I have to listen to Murli then I will listen at home.
Baba: OK. You have not made this sit in their intellect so far. Were you in advance (party) earlier? You did not make this sit in his intellect as to what is Murli, what is a second class Murli and what is a third class Murli? Whose mistake was it?

<u>**समय: 21.20-22.44**</u>

<u>**जिज्ञासु-**</u> बाबा, जब सभी आत्मायें परमधाम में जायेंगी तो इनके जो संस्कार हैं ये इनके साथ ही जायेंगे या जो बुरे कर्म है वो धर्मराज पिटाई करके निकाल देगा।

<u>**बाबा-**</u> आत्मा एक रिकार्ड है। क्या? आत्मा एक रिकार्ड है। जब वो रिकार्ड के ऊपर समय की सुई गिरती है तो जैसे-2 समय पास होता जाता है। वैसे-2 बजता जाता है।

Time: 21.20-22.44
Student: Baba, when all the souls go to the Supreme Abode, will their sanskars go with them or will Dharmaraj remove their bad deeds by beating them?
Baba: A soul is a recording. What? A soul is a recording. When the needle of time touches that recording, then as the time passes it goes on playing accordingly.

<u>**जिज्ञासु-**</u> मान लीजिए। हम परमधाम में चले जाते हैं।

<u>**बाबा-**</u> आत्मा का रिकार्ड परमधाम में चला गया।

<u>**जिज्ञासु-**</u> आत्मा हमारी चली गई। हमारे में जो बुरे संस्कार हैं जो धर्मराज ने लास्ट टाईम सजा दी वो किस बात की दी?

<u>**बाबा-**</u> बुरे जो हैं कलियुग में होते हैं या सतयुग में भी बुरे होते हैं?

<u>**जिज्ञासु-**</u> कलियुग में।

<u>**बाबा-**</u> तो जो आत्मा गई परमधाम वो सतयुग के सात्विक स्टेज के लिए गई या जब आएगी तो तामसी स्टेज से आएगी?

<u>**जिज्ञासु-**</u> कलियुग में आएगी?

<u>बाबा-</u> चलो कलियुग में आई कोई नई आत्मा। रामदेव की आत्मा कलियुग में उतरी तो वो सात्विक संस्कार लेके आई है परमधाम से या तामसी संस्कार लेके आई है। पहले-पहले जो आई है वो रिकार्ड सतोप्रधान ही बजेगा। और लास्ट में तमोप्रधान ही बजेगा।

Student: Suppose, we go to the Supreme Abode.
Baba: The soul's recording went there.
Student: Our soul went there. The bad *sanskars* that we have... why did Dharmaraj punish us the last time?
Baba: Do evil ones exist in the Iron Age or do evil ones exist in the Golden Age as well?
Student: In the Iron Age.
Baba: So, the soul that went to the Supreme Abode, did it go for the pure stage of the Golden Age or will it come in a degraded stage when it comes (from the Supreme Abode)?
Student: It will come in the Iron Age, [won't it]?
Baba: OK, suppose a new soul came down in the Iron Age. The soul of Ramdev descended in the Iron Age; so has it come with pure *sanskars* from the Supreme Abode or has it come with impure *sanskars*? The soul which has come for the first time will play a pure recording only. And in the last period only the impure part will be played.

<u>समय: 22.47-25.53</u>

<u>जिज्ञासु-</u> बाबा, जो आत्मा भट्ठी कर लेती है एडवान्स में फिर वही पुराना गीत गाती है रामदेव का ही तो वो फिर स्वर्ग में भी आएगा और दोनों तरफ से उसका जन्म होगा? क्योंकि बाबा ने तो बोला है दो शब्द भी सुनेगा तो स्वर्ग में आएगा।

<u>बाबा-</u> सुनने वाला आत्मा है या देहअभिमानी है, देहअभिमानी बाप का बच्चा है? कोई ईंटें भट्ठी में पक्की निकलती हैं। कोई सेम निकलती हैं, कोई कच्ची निकलती हैं, कोई खंजड़ निकलती हैं। तो ऐसे ही ये भी पैदाइश है। कोई बच्चा गर्भ से मरा हुआ निकलता है। कोई बच्चा गर्भ से निकलता है थोड़े समय के बाद मर जाता है। दूसरे बाप को बनाए लेता है। दूसरे बाप के यहाँ जाके जन्म ले लेता है। ऐसे ही यहाँ भी है कोई बड़ी बात नहीं है। यहाँ तो ढेर हैं एडवांस पार्टी में जो कई-कई बाप बनाते हैं। आर्यसमाजी होंगे तो कई बाप बनावेंगे कि नहीं? लास्ट में उनका ये संस्कार पक्का हो जाएगा। धर्म सब धतिंग। धर्म निर्पेक्ष राज्य। हमें राजाई कौनसी करनी है? जिसमें कोई धर्म की अपेक्षा न हो। धर्म से उनकी श्रद्धा ही हट जाती है।

Time: 22.47-25.53
Student: Baba, if a soul undergoes *bhatti* in advance (party), but continues to sing the same old song of Ramdev; then will it come in heaven .... will it take birth on both sides? Because Baba has said that even if a person listens two words (from Baba) he will come in heaven.
Baba: Is the listener a soul or is he body conscious, is he a child of the body conscious father? Some bricks come out of the furnace stronger. Some come out in the same condition as they were; some come out half baked; some come out brittle. So, this creation is also like that. Some child comes out of the womb dead. Some child comes out of the womb and dies after some time. It adopts someone else as his father. It is born through another father. It is similar here. It is not a big issue. Here, there are numerous such ones in the advance party

who adopt numerous fathers. If they are Aryasamajis, will they adopt many fathers or not? In the end, their *sanskar* will become firm. All religions are just irreligiousness. [There should be a] secular state (*dharma nirpeksh rajya*). How do we have to rule? A rule which is not expected to favour any religion. They lose faith in religion.

जिज्ञासु- सारे ही वर्ण संकर हो गए हैं।

दूसरा जिज्ञासु- सारे ही वर्ण संकर हैं उसने कहा है तुलसी दास ने।

तिसरा जिज्ञासु- बाबा लेकिन बाप तो नहीं बनाते हैं लेकिन लौकिक परिवार में बीमार हो जाते हैं तो रामदेव का प्राणायम सीखना, नेच्युरोपथी करना। वो तो कर सकते हैं ना?

बाबा- जिसको पक्का निश्चय हो गया है कि बाप आया हुआ है हमारे शरीर रूपी नवैया को भी विषय वैतरणी नदी के पार ले जावेगा। क्षीर सागर में ले जावेगा। तो क्षीर सागर में जब पहुँच जाएगी नईया तो इसको बीमारियाँ लगेंगी?

जिज्ञासु- नहीं लगेंगी।

Student: Everyone has become hybrid (*varna sankar*).
Another student: Tulsidasji has said that everyone has become hybrid.
Third student: Baba, we do not adopt another father, but if someone falls ill in the *lokik* family, then can we learn *Pranayam* of Ramdev, can we practice naturopathy?
Baba: The one who has developed firm faith: 'the Father has come; He will take our boat-like body across the river of vices, to the ocean of milk'; so when the boat will reach the ocean of milk, will it suffer any disease?
Student: No.

बाबा- पूरी ताकत से लगना पड़े। आधी ताकत इधर लगा दी, आधी ताकत उधर लगा दी तो रिजल्ट क्या होगा? दो-2 गुरू बनायेंगे तो हाल क्या होगा? शकुनि ने दुर्योधन से कहा कि तुमसे ये तो सिखाया था। कि तुम भीम को विष दे दो खीर में। बताया था ना? लेकिन ये तो नहीं कहा था कि विष देने के बाद तुम उसको गंगाजी में बहा दो। तुमने आधा फॉलो किया और आधा अपनी अक्ल चलाके गंगाजी में डाल दिया। तो कोई असर नहीं होगा। नफा-नुकसान का गुरू जिम्मेवार नहीं है।

Baba: We should become involved with full force. If we use half the power here, and half the power there, then what will be the result? What will be your condition if you adopt two gurus? Shakuni told Duryodhan: I taught you that you mix poison in Bhim's porridge; were you told or not? But I did not tell you that you should throw his body in river Ganga after poisoning him. You followed half of my direction and for the remaining half you used your intellect and threw him in river Ganga. So, there will not be any effect (of my directions). The guru is not responsible for the gains and losses (if you do not follow his directions completely).

समय: 25.54-26.18

जिज्ञासु- जैसे घर की किसीको कोई प्राब्लम हो तो हल करना चाहिए तो किसीका सहारा लेना चाहिए चाहे नई संस्था का?

बाबा- माना बड़े ते बड़ा सहारा नहीं मिला है?

जिज्ञासु- स्थूल की बात कर रही हूँ बाबा।

बाबा- हाँ, हाँ स्थूल में।

जिज्ञासु- हाँ जी, मिला है।

बाबा- बड़े ते बड़ा सहारा मिला है ना। तो काहे के लिए छोटे-2 तिनकों का सहारा ले रहे हो।

Time: 25.54-26.18

Student: For example, if someone faces a problem at home, he should solve it. So, should he take the support of any new organization?

Baba: Does it mean you haven't found the greatest help?

Student: I am talking in a physical sense Baba.

Baba: Yes, yes, in a physical sense.

Student: Yes, I have found.

Baba: You have found the biggest help, haven't you? So, why are you taking the support of the small twigs?

समय:26.19-27.09

जिज्ञासु- भक्तिमार्ग में बाबा गीता में लिखा है सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज। अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः।

बाबा- ठीक है। यही तो कहते हैं बाबा मैं तुम्हें सब पापों से मुक्त कर दूंगा मेरी एक बात मानो अपन को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो। एक बाप को याद करो। दो चार बापों को याद मत करो।

Time: 26.19-27.09

Student: Baba, in the path of *bhakti*, it has been written in the Gita – *Sarvadharmanparityajya mamekam sharanam vraj. Aham twa sarvapapebhyo mokshyishyami ma shuchah.*

Baba: It is correct. This is what Baba says in the murli: If you listen to my one direction – remember Me, your Father by considering yourself to be a soul – then I will liberate you from all the sins. Remember one Father. Do not remember two, four fathers.

समय:27.10-29.10

जिज्ञासु- बाबा, माताजी पूछ रही है। एडवांस पार्टी में तीन रंग का झंडा लहराना होता। तीन रंग का झंडा लहराते हैं त्रिमूर्ति झंडा।

बाबा- झंडे में तीन रंग हैं।

जिज्ञासु- हाँ। वो तो कांग्रेस पार्टी का भी निशानी हो गई। तो घर में बच्चे एडवांस का झंडा लहराने के लिए देहअभिमान के वजह से मना कर देते हैं। तो सुप्रीम सोल का झंडा लहरा सकते हैं? भट्ठी किया, निश्चय है लेकिन.....

बाबा- सुप्रीम सोल बिंदु होकरके काम करता है या तीन मूर्तियों के द्वारा काम करता है?

जिज्ञासु- तीन मूर्तियों के द्वारा।

Time: 27.10-29.10

Student: Baba, a mother is asking – In the advance party we hoist a flag of three colours. We hoist a flag of three colours – the *Trimurty* flag.

Baba: There are three colours in the flag.

Student: Yes. That is a sign of the Congress Party as well. So, because of body consciousness children refuse to hoist that flag of advance (party). So, can we hoist the flag of the Supreme Soul? We have undergone *bhatti*, we have faith but….

Baba: Does the Supreme Soul work in the form of a point or does He work through three personalities?

Student: Through three personalities.

बाबा- तो झंडे के तीन रंग हो गए ना। तीनों मूर्तियाँ चाहिए ना। नहीं तो न स्थापना होगी न पालना होगी न विनाश होगा। बिंदी कैसे फुदक-2 कर स्थापना, पालना, विनाश करेगी क्या? तो यादगार झंडा किसका बनना चाहिए। तीन मूर्तियों का यादगार झंडा कपड़ा बनना चाहिए। कपड़ा यादगार है शरीर की । कपड़ा किसके यादगार है? शरीर रूपी कोई तीन वस्त्र हुए हैं। तो बिंदु रख दोगे झंडे में। तो बिंदु का झंडा बनाओ कैसे बनेगा? कपड़े का झंडा क्यों बनाते हैं? बिंदु का झंडा लहरा दो। अगर कपड़े का भी लहरायेंगे तो उसमें बिंदु रखना पड़ेगा। कपड़ा ज़रूर चाहिए। लेकिन वो नियम नहीं है कि एक मूर्ति के द्वारा स्थापना, पालना, विनाश तीनों हो जाए।

Baba: So, there are three colours in the flag aren't there? All the three personalities are required, aren't they? Otherwise, neither establishment nor sustenance will take place; neither will destruction take place. How will a point jump and undertake the task of establishment, sustenance and destruction? So, the flag should be a memorial of what? There should be a cloth flag which is a memorial of the three personalities.

Cloth is a memorial of the body. Cloth is a memorial of what? There have been three cloth like bodies. So, if you depict just a point in the flag; ok prepare a flag of a point; how can you make it? Why do you make a cloth flag? Hoist the flag of a point. Even if you hoist a cloth flag, you will have to depict a point in it. A cloth is certainly required. But it is not the rule that establishment, sustenance and destruction will take place through the same personality.

जिज्ञासु- वो तो बिंदु तीन मूर्तियों के थ्रु प्रत्यक्ष होता है। इसीलिए तीन रंग दिखाते हैं।

बाबा- इसीलिए तीन कपड़े चाहिए।

जिज्ञासु- तो उस झंडा को भी लहराने के लिए लकड़ी के ज़रूरत पड़ती है तो उसका बेहद में क्या है?

<u>बाबा-</u> हाँ, वो कपड़ा भी चाहिए और श्रीमत की लकड़ी भी चाहिए, लाठी भी चाहिए। लाठी नहीं चाहिए? लाठी भी चाहिए।

Student: That point is revealed through three personalities. This is why three colours are required.
Baba: This is why three clothes are required.
Student: So, a stick is also required to hoist that flag; so what does it mean in an unlimited sense?
Baba: Yes, that cloth is required as well as the stick of *shrimat* is required; a stick is also required. Is a stick not required? A stick is also required.

<u>समय: 30.35-31.22</u>

<u>जिज्ञासु-</u> बाबा, कुछ बच्चे ऐसे हैं जो बेसिक में चले हुए हैं। तो उनको ज्ञान सुनाया है तो वो बोलते है कि पहले हमें बाबा से मिलाओ।

<u>बाबा-</u> उनसे पूछो कि बाबा से तुम किस लिए मिलना चाहते हो? भगवान को पहचानने के लिए?

<u>जिज्ञासु-</u> हाँ जी।

<u>बाबा-</u> हाँ। तो भगवान इन आँखों से देखा जाता है? भगवान निराकार है या भगवान साकार है? वो क्या बतायेंगे? जब आप उनसे पूछेंगे कि भगवान निराकार है या साकार है?

<u>जिज्ञासु-</u> कोर्स भी किया उन्होंने तो वो ऐसे बोल रहे हैं।

<u>बाबा-</u> हाँ। तो कोर्स किया लेकिन फोर्स नहीं भरा।

Time: 30.35-31.22
Student: Baba, there are some children, who follow the basic knowledge. So, when we narrate knowledge to them, they say: first, let us meet Baba.
Baba: Ask them: why do you want to meet Baba? [Is it] to recognize God?
Student: Yes.
Baba: Yes. So, can God be seen through these eyes? Is God incorporeal or corporeal? What will they tell you when you ask them whether God is incorporeal or corporeal?
Student: They have undergone the course, yet they say like this.
Baba: Yes. So, they have undergone the course, but they haven't acquired the force.

<u>समय: 31.25-32.20</u>

<u>जिज्ञासु-</u> बाबा, जो आत्मा एकान्त में रहना चाहती है कि ये दुनियाँ छोड़-छाड़ कर अच्छा ही नहीं लगता। तो चुप, एकान्त होगा तो कैसा पार्ट होगा उसका?

<u>बाबा-</u> भगवान जो हमें पढ़ाई पढ़ा रहा है वो एकान्त का अर्थ क्या बता रहा है?

<u>जिज्ञासु-</u> एक की याद में रहना।

<u>बाबा-</u> भले प्लेटफार्म में रहो, भले स्टेशन पर रहो, भले भीड़-भाड़ में रहो, भले कोई परिवार में रहो, कहीं भी रहो लेकिन मन कहाँ लगा रहे? एक के अंत में लगा रहे।

<u>जिज्ञासु-</u> किसी से बात करने का मन नहीं होता जैसे लौकिक वालों से।

<u>बाबा-</u> बोला है। सुनते हुए न सुनो। देखते हुए न देखो, बोलते हुए जैसे न बोला। बोला बोला न बोला। एकान्त हो गया।

Time: 31.25-32.20

Student: Baba, a soul which wants to leave this world and live in solitude, if it does not like [the world] at all, if it remains silent, lonely, then what kind of a part will it play?

Baba: In the knowledge that God is teaching us, what meaning of *ekaant* (solitude) does He tell us?

Student: Remembering one.

Baba: Even if you are on a platform, even if you are in a (railway) station, even if you are in a crowd, even if you are in a family, wherever you are, where should be your mind? It should remain busy in one.

Student: What if we do not feel like talking to anyone, the *lokik* people?

Baba: It has been said: you should not listen even while you listen something. You should not see even while you see something. Even while talking it is as if you haven't spoken anything. Whether you talk or not, it is one and same. That is solitude.

<u>समय: 32.25-33.20</u>

<u>जिज्ञासु-</u> बाबा, अभी बड़े-बड़े शहर होते हैं सबसे पहले एक गीता पाठशाला खुली है। वहाँ 5-6 लोग आते हैं। उसी शहर में दूसरी गीता पाठशाला खुल गई। यहाँ के स्टुडेन्टों को वो दूसरी गीता पाठशाला नजदीक पड़ती है। उधर चले जाते हैं इधर दो लोग हो जाते हैं। तो उसको गीतापाठशाला चला सकते हैं?

<u>बाबा-</u> बाबा तो कहा है। स्टुडेन्ट्स भले सारे ही चले जायें। कम से कम जो टीचर हैं वो अपने को स्टुडेन्ट समझते हैं या टीचर समझते हैं?

<u>जिज्ञासु-</u> स्टुडेन्ट समझते हैं।

Time: 32.25-33.20

Student: Baba, now there are big cities; suppose there is already a *gitapathshala* there and five to six people come there. And suppose another *gitapathshala* is opened in the same city. If the students of this place find the second gitapathshala to be closer and they start going there, only two people are left here (i.e. in the first *gitapathshala*). So, can they continue to run the *gitapathshala*?

Baba: Baba has said that even if all the students go away... At least the teachers (i.e. the couple running the gitpathshala)... do they consider themselves to be students or teachers?

Student: They consider themselves to be students.

<u>बाबा-</u> तो जब स्टुडेन्ट समझते हैं तो उन्हें रोज क्लास करना चाहिए कि नहीं करना चाहिए? करना चाहिए। लगे रहो-3। लगन बहुत बड़ी चीज़ है। आखरीन ऐसा भी टाईम आएगा कि जब प्रत्यक्षता होगी तो ढेर के ढेर हो जायेंगे।

<u>दूसरा जिज्ञासु-</u> हम अकेले क्लास करते रहें। सब चले जायें तो चले जायें। हमें क्या लेना?

बाबा- नहीं, अकेले क्लास भी करना है। फिर जब संगठन क्लास होता है तो वहाँ भी जाना है।

Baba: So, if they consider themselves to be students, should they attend the class daily or not? They should. Carry on [with full dedication]. Dedication is very important. Ultimately one such time will also come when revelation takes place, there will be numerous people.
Second student: We should continue to attend the class. If everyone wants to leave they can leave. In what way are we affected by that?
Baba: No, even if you are alone you have to attend the class. Then, whenever the *sangathan* class (a gathering of many *gitapathshalas*) is organized, you should go there as well.

समय: 33.25-34.05

जिज्ञासु- बाबा, आज बाबा बता रहे थे कि जो इन्स्परेटिंग(सोल हैं।) जब शरीर छोड़ देते हैं उनको सबकुछ पता चल जाता है हमसे ज्यादा। जो सबसे ज्यादा होशियार होता है वो मददगार भी ज्यादा बनता है। तो एडवांस पार्टी से ज्यादा इन्स्परेटिंग पार्टी को प्राप्ति ज्यादा होती है?

बाबा- लेकिन किसके द्वारा मददगार बनेगी?

जिज्ञासु- तो जो सोल प्रवेश करती है उनको ही पाप-पुण्य .....

बाबा- जो सोल प्रवेश करेगी किसी का आधार लेगी ना। तभी तो मददगार बनेगी। शिवबाबा भी आता है ब्रह्मा के तन में तो दलाल कौन बनता है? ब्रह्मा दलाल में कुछ प्राप्ति होती है कि नहीं? उनको भी प्राप्ति हो जाती है। तो यहाँ जो भी सहयोगी बनेंगी आत्मायें प्रवेश करने वाली। वो शरीरधारी को हिस्सा बनेगा ना।

Time: 33.25-34.05
Student: Baba, today Baba was telling us that when the inspiriting (soul) leaves the body, it comes to know everything, more than us. So, the one who is more intelligent helps more. So, does the inspiriting party make more attainments than the advance party?
Baba: But through whom will it become a helper?
Student: The soul that enters accumulates the sins and merits…
Baba: The soul that enters will take the support of someone, will it not? Only then will it become a helper. Even when Shivbaba comes in the body of Brahma, who becomes the middleman (*dalal*)? Does Brahma, the middleman, make any attainment or not? He too makes attainments. So, even if a soul enters and becomes a helper here, the soul that owns the body will get its share, will it not?

समय:34.50-37.00

जिज्ञासु- बाबा, भक्तिमार्ग में सन्यासियों ने नारी के लिए कहा कि नारी जो है शिवलिंग के ऊपर पानी न चढ़ायें।

बाबा- हाँ, हाँ। भक्तिमार्ग के सन्यासियों ने कहा ना। भक्तिमार्ग के सन्यासी जो हैं जो आज कह रहे हैं आज दुनियाँ में कि नारियों को हनुमान की पूजा नहीं करना चाहिए, शिवलिंग की

पूजा नहीं करनी चाहिए। वो सन्यासी फाऊन्डेशन डालने वाले कहाँ होते हैं जो इस बात का फाऊन्डेशन डालते हैं?

<u>जिज्ञासु-</u> संगमयुग में, बेसिक में।

Time: 34.50-37.00

Student: Baba, in the path of worship, *sanyasis* have said about women that a woman should not pour water on *Shivling*.

Baba: Yes, yes. It was told by the *sanyasis* of the path of worship, wasn't it? The *sanyasis* of the path of *bhakti*, who are saying today, in the present world, that women should not worship Hanuman, women should not worship *Shivling*, where do those *sanyasis* lay the foundation for this?

Student: In the Confluence Age, in the basic (knowledge).

<u>बाबा-</u> बेसिक में ब्राह्मणों की दुनियाँ में वो सन्यासी हैं जो माया को फॉलो करने वाले हैं। वो यही तो कहते हैं पूजा मत करो। और मुरली क्या कहती है? अरे! शिवबाबा की तो खूब पूजा करनी चाहिए। शिवबाबा की पूजा नहीं करेंगे तो किसकी करेंगे? बेहद का बाप है। बेहद का बाप ही पूज्य नहीं बनेगा तो कौन पूज्य बनेगा? हाँ। ये है कि बाप कहते नहीं कि पूजा करो। बाकी मुरली में ये बोला हुआ है कि वो सन्यासी कहते हैं कि शिवलिंग की पूजा नहीं करनी चाहिए कन्याओं माताओं को। पूजा माना क्या? कन्या जहाँ ब्याही जाती है, बहन जहाँ ब्याही जाती है। वो पूज्यपक्ष, मान्यपक्ष माना जाता है या नहीं? माना जाता है। तो जो पूज्यपक्ष है, मान्यपक्ष है उसकी रोटी-बीटी से सत्कार करते हैं या नहीं करते? करते हैं। वो भगवान नहीं होते हैं तो भी करते हैं। और यहाँ तो, यहाँ तो स्वयं भगवान आया हुआ है।

Baba: In the basic, in the world of Brahmins, there are *sanyasis* who follow *Maya*. They say that you should not worship [the Shivling]. And what does the Murli say? Arey! You should worship Shivbaba a lot. If you do not worship Shivbaba, then who else will you worship? He is the unlimited father. If the unlimited father himself does not become worshipworthy, then who else will become? Yes. But it is true that the Father does not ask you to worship him. But it has been mentioned in the Murli that those *sanyasis* say that the virgins, mothers should not worship *Shivling*. What does worship (*pooja*) mean? Is the family into which a virgin is married, into which a sister is married considered to be worshipworthy, worthy of respect or not? It is considered. So, the side that is considered to be worshipworthy, worthy of respect; is it accorded respect by offering food and their daughter [by marrying their daughter into that family] or not? It is. They are not Gods; still they are respected. And here, God Himself has come.

<u>समय:38.00-43.30</u>

<u>जिज्ञासु-</u> बाबा, कोर्स में समझाते हैं साकार में निराकार को याद करना असली याद होती है। लेकिन चित्र तो योगी के रूप में शंकर को दिखाते हैं वो तो बिंदु की याद करता है।

<u>बाबा-</u> तुम्हें कैसे मालूम कि बिंदु की याद करते हैं। तुमने क्या शंकरजी से पूछा कभी? तुम्हें शंकरजी कभी मिले कि नहीं मिले।

Time: 38.00-43.00
Student: Baba, it is explained in the course that remembering the incorporeal within the corporeal one is the true remembrance. But a picture of Shankar is depicted in the form of a yogi, he remembers the point.
Baba: How do you know that he remembers a point? Did you ever ask Shankarji? Did you meet Shankarji or not?

जिज्ञासु- माना खुद के अंदर याद करता है?
बाबा- मिला ही नहीं? अरे! मिलते तो पूछ लेते ना कि तुम साकार में निराकार को याद करते हो या निराकार बिंदु को याद करते हो। पूछना चाहिए कि नहीं? माना इन्होंने पहली मूर्ति को नहीं पहचाना। पहली मूर्ति को पहचाना कि नहीं पहचाना? जाना या नहीं जाना?
जिज्ञासु- जाना तो है।
बाबा- जाना तो है। अपनी आत्मा को याद करना सहज होता है या पर को याद करना सहज होता है? दूसरे के शरीर में शिव आया है वो याद करना फिर भी कठिन है। लेकिन अपने शरीर में अपने तख्त में ही बैठा हुआ है। ये जिसको पता चल जाए तो स्व स्वरूप को याद करना कठिन है या सहज है? और ही सहज है।
Student: Does it mean that he remembers (Shiv) within him?
Baba: Didn't you ever meet him? Arey! If you had met him you should have asked him whether he remembers the incorporeal within the corporeal one or does he remember the incorporeal point? Should you ask or not? It means that she (i.e. the person asking the question) did not recognize the first personality. Did you recognize the first personality or not? Did you recognize or not?
Student: I did recognize.
Baba: You did recognize. Is it easy to remember one's own soul or to remember others (*par*)? 'Shiv has come in the body of someone else', it is still difficult to remember this. But the one who comes to know that He is sitting in one's own body, one's own throne then is it difficult to remember one's own form or is it easy? It is easier.

दूसरा जिज्ञासु- बाबा, ये प्रश्न तो मेरा भी था। कि क्या प्रजापिता योग करते हैं? वो किससे तथा कैसे योग लगाते हैं?
बाबा- हल नहीं हुआ?
जिज्ञासु- क्लीयर नहीं हुआ।
बाबा- क्लीयर नहीं हुआ? माना प्रजापिता में शिव प्रवेश नहीं करता? प्रजापिता नेक्स्ट टु गोड नहीं है? प्रजापिता नेक्स्ट टू गॉड है कि नहीं?
जिज्ञासु- है।
बाबा- है। तो जो गॉड शिव है। उसकी भाषा को उसकी बोल को प्रजापिता पहले समझेगा या कोई दूसरा समझेगा?
जिज्ञासु- प्रजापिता।

Second student: Baba, I had this question too. Does Prajapita sit in remembrance? With whom does he have the connection (*yog*) [of his intellect] or how does he have *yog*?
Baba: Was this question not resolved?
Student: It is not clear.
Baba: Is it not clear? Does it mean that Shiv does not enter Prajapita? Is Prajapita not next to God? Is Prajapita next to God or not?
Student: He is.
Baba: He is. Will Prajapita understand the language of God Shiv first or will someone else understand?
Student: Prajapita.

बाबा- तो उसने समझ लिया ना।

जिज्ञासु- योग कैसे लगाते होंगे वो? किससे लगाते हैं?

बाबा- वो साकार शरीर में निराकार को याद नहीं कर सकता?

जिज्ञासु- साकार जिसके तन में वो आता है वो अपने ही शरीर के द्वारा ज्योतिबिंदु को याद करेगा?

बाबा- और किसके दूसरे के शरीर में याद करेगा? दूसरे के शरीर में याद करेगा तो पतित बनेगा या पावन बनेगा?

सभी- पतित।

Baba: So, he understood, didn't he?
Student: How does he have *yog*? With whom does he have *yog*?
Baba: Can't he remember the incorporeal within the corporeal body?
Student: The corporeal in whose body He (Shiva) comes, does he(Prajapita) remember the point of light through his own body?
Baba: Or else will he remember through some other body? If he remembers (Him) through other body, will he become sinful or pure?
Students: He will become sinful.

जिज्ञासु- नहीं मेरा मतलब है कि परमधाम में याद करता होगा।

बाबा- परमधाम में याद करता होगा? क्यों परमधाम में याद करता होगा? उसके मुख के द्वारा शिव आकरके कहते हैं कि बच्चे मैं गीता ज्ञान दाता हूँ।

जिज्ञासु- प्रश्न ये है कि जैसे ब्रह्माबाबा कुटिया में बैठके 2 बजे शिव को याद करते थे। ऐसे क्या प्रजापिता भी जो वो शिव को याद करता है?

बाबा- ब्रह्माबाबा तो यही नहीं जानते थे कि शिव इस सृष्टि पर आके प्रैक्टिकल पार्ट बजाता है या ऐसे ही चला जाता है। ब्रह्माबाबा ये जानते थे कि शिव इस सृष्टि पर आकरके प्रैक्टिकल में पतितों को पावन बनाके जाता है या ऐसे ही चला जाता है?

जिज्ञासु- नहीं जानते थे।

Student: No, I mean to say: he must be remembering (Shiv) in the Supreme Abode.
Baba: He must be remembering in the Supreme Abode? Why will he remember in the Supreme Abode? It is through his mouth that Shiv comes and tells us: Children, I am the giver of the knowledge of the Gita.
Student: The question is that just as Brahma Baba used to remember Shiv at 2AM sitting in his hut. Similarly, does Prajapita also remember Shiv?
Baba: Brahma Baba did not know whether Shiv comes in this world and plays a practical part or He simply goes back. Did Brahma Baba know whether Shiv comes in this world in practical and purifies the sinful ones or He simply goes away.
Student: He did not know.

बाबा- नहीं जानते थे। उनकी तो बात ही छोड़ो। उन्होंने तो बाप को पहचाना ही नहीं। पहचाना होता तो वो भी सतयुग के बच्चों को पैदा करने वाले बन जाते। सृष्टि के बीज बन जाते। वो सृष्टि के बीज नहीं बने पत्ता बन गए। भले पहला पत्ता बने।
जिज्ञासु- इसका मतलब प्रजापिता वाली आत्मा ऊपर निराकारी दुनियाँ में निराकार को याद नहीं करती है। अपने ही साकार तन में याद करती है। जैसे हम याद करते हैं।
बाबा- उसका साकार तन...। जैसे मुरली में बोला है मेरे को याद करो। फिर बोला है अपने घर को याद करो, फिर बोला है स्वर्ग को याद करो। तीन बातें बोली ना याद करने के लिए। तो बाबा एक तरफ कहते हैं एक को याद करो, मामेकम याद करो और दूसरी तरफ तीन-2 को याद करने के लिए कहते हैं। ये तो बाबा दोगला है। बोलो दोगला है कि नहीं?
Baba: He did not know. Keep his topic aside. He did not recognize the Father at all. Had he recognized, he too would have become the one who gives birth to children of the Golden Age. He would have become the seed of the world. He did not become the seed of the world. He became a leaf, though he became the first leaf.
Student: It means that the soul of Prajapita does not remember the incorporeal in the incorporeal world above; he remembers [Him] in his own body just as we remember (our soul).
Baba: His corporeal body ……. For example it has been said in the Murli , Remember me. Then it has been said, Remember your home. Then it has been said, Remember heaven. Three methods have been suggested for remembrance. So, on the one side Baba says, Remember one. Remember Me alone. And on the other side He asks us to remember three things. This Baba indulges in double talk. Tell me, does He indulge in double talk or not?

जिज्ञासु- नहीं उसमें कुछ रहस्य होगा।
बाबा- हाँ तो रहस्य है। यही रहस्य है कि जिस तन में प्रवेश करता है वो हमारे लिए परमधाम भी है।
जिज्ञासु- घर भी है।
बाबा- हाँ वो हमारा घर भी है वो हमारा स्वर्ग भी है। वो हमारा सबकुछ वो ही है।
जिज्ञासु- बाबा की मुरली में तो ये भी है कि भले मैं इस सृष्टि के ऊपर हूँ। लेकिन याद आपको शांतिधाम में मुझे करना है।

<u>बाबा-</u> तो शांतिधाम इस सृष्टि पर तुम बच्चे उतार लेंगे ये नहीं बोला है? तो अभी उतारा है कि नहीं उतारा है?

Student: No, there must be some secret in that.
Baba: Yes, there is a secret. The secret is that the body in which He enters is also a Supreme Abode for us.
Student: It is also a home.
Baba: Yes, it is our home as well as our heaven. He is everything for us.
Student: It has also been said in Baba's Murli, 'although I am in this world, you have to remember Me in the Abode of peace'.
Baba: So, has it not been said, you children will bring the abode of peace in this world? So, have you brought it down now or not?

<u>समय: 45.00-45.42</u>

<u>जिज्ञासु-</u> जैसे वैष्णवी छोटी मम्मी जो है वो संगमयुगी लक्ष्मी बनती है, जगतम्बा जो है राजामाता बन जाती है, ओम राधे जो है सतयुग की राधा बनती है। सूर्यवंशियों कि माँ क्या बनती है?

<u>बाबा-</u> सूर्यवंशियों कि माँ इसी जन्म में यहाँ संगमयुग में परदादी बनकर रहती है। महाभारत में सत्यवती को पूरा परिवार ज्यादा रिगार्ड देता था कम रिगार्ड देता था? सबसे ज्यादा माताओं कन्याओं के बीच में ज्यादा रिगार्ड तो उसी को मिलता था।

Time: 45.00-45.42
Student: For example, the junior mother becomes the Confluence Age Lakshmi, Jagdamba becomes queen mother (*rajmata*), Om Radhey becomes Radha of the Golden Age. What does the mother of the *Suryavanshi* become?
Baba: The mother of *Suryavanshi* becomes great-grandmother (*pardadi*) in this very birth, in the Confluence Age. In the epic Mahabharata, was Satyavati given more regard by the entire family or was she given less respect? Among all the mothers and virgins she used to receive the maximum regard.

<u>समय: 45.45-</u>

<u>जिज्ञासु-</u> बाबा, राम वाली आत्मा कृष्ण बच्चे को जन्म देने के बाद उसके बाद उसका फिर कोई विशेष पार्ट सतयुग में।

<u>बाबा-</u> कोई भी आत्मा, कोई भी युग में एक बार ऊँचे ते ऊँचा पार्ट बजाएगी कि हर जन्म में ऊँचे ते ऊँचा पार्ट बजाएगी?

<u>जिज्ञासु-</u> एक ही बार।

<u>बाबा-</u> और जैसे-जैसे युग नीचे उतरता जाएगा वैसे उसका पद भी नीचे होता जाएगा। चाहे कृष्ण वाली आत्मा हो, चाहे राम वाली आत्मा हो। उस युग के अंतिम में जा करके राम राजा था सो क्या बन जाएगा? राम प्रजा बन जाएगा।

Time: 45.45 -
Student: Baba, will the soul of Ram play any special part in the Golden Age after giving birth to child Krishna?
Baba: Will a soul play a highest role in an age once or will it play the highest role in every birth?
Student: Only once.
Baba: And as the age keeps declining (in its celestial degrees), its (the soul's) post will keep on decreasing as well; whether it is the soul of Krishna or the soul of Ram. At the end of that age, Ram, who was a king, will become what? Ram will become a subject.

<u>**जिज्ञासु-**</u> जैसे विक्रमादित्य जो हैं वो ब्रह्माबाबा वाली आत्मा जो द्वापर के युग में जन्म लेती है। वैसे क्या राम वाली आत्मा वाल्मीकी बनती है, तुलसीदास भी बनती है?
<u>**बाबा-**</u> ज़रूर बनेगी। अपने-2 शास्त्रों में अपनी-2 कथा कहानियाँ लिख दी हैं। मुरली में बोला है जो शास्त्र लिखे हैं लिखने वालों ने। उन शास्त्रकारों ने अपने-2 शास्त्रों में अपने द्वारा लिखे हुए शास्त्रों में अपनी ही जीवन की कथा कहानियाँ लिख दी हैं। तो वाल्मिकी कौन हुआ?
Student: For example, King Vikramaditya, the soul of Brahma Baba is born in the Copper Age; similarly, does the soul of Ram become Valmiki as well as Tulsidas?
Baba: He will certainly become that. [Those who wrote the scriptures] wrote their own stories in their scriptures. It has been said in the Murli that the writers of the scriptures wrote their own life stories in their scriptures. So, who is Valmiki?

<u>**जिज्ञासु-**</u> इसका मतलब जो वेद व्यास है वो भी कृष्ण वाली आत्मा है?
<u>**बाबा-**</u> क्यों? वेद व्यास कहाँ से कृष्ण वाली आत्मा हो गई? उसके अंदर इतना ज्ञान कहाँ से आ जाएगा? वो ज्ञान के तंत को समझता है?
<u>**जिज्ञासु-**</u> किसने लिखा फिर अपना ये....
<u>**बाबा-**</u> द्वापर युग के आदि में जो शास्त्र लिखे गए हैं वो सतोप्रधान होंगे या तमोप्रधान होंगे? द्वापर के आदि में जो शास्त्र लिखे हैं उनमें भी सच्चाई थी। वो सच्चाई कौन आत्मा उगलेगी? जिसने यहाँ संगम में सच्चाई को पहचाना होगा वो उगलेगी द्वापर में सच्चाई को कि दूसरी आत्मा कोई उगलेगी?
Student: Does it mean the soul of Krishna is Ved Vyas himself?
Baba: Why? How can the soul of Krishna be Ved Vyas? How can he have so much knowledge? Does he understand the essence of knowledge?
Student: Then who wrote this…..
Baba: Will the scriptures which were written in the beginning of the Copper Age be pure or impure? There was truth also in the scriptures written in the beginning of the Copper Age. Which soul will reveal that truth? Will the one who had recognized the truth here in the Confluence Age reveal the truth in the Copper Age or will some other soul reveal it?

जिज्ञासु- इसका मतलब श्रीमद्भागवत गीता और महाभारत ये भी राम वाली आत्मा ने लिखी है?

बाबा- भागवत और गीता जो है वो लिखने वाला जो व्यक्तित्व है वो गीता निकलती है महाभारत से। क्या? महाभारत से गीता निकलती है। और जो यज्ञ के आदि में भागवत हुई हैं, भागी हैं उसका निमित्त कौन था? अरे! व्यक्ति कौन था?

जिज्ञासु- ब्रह्माबाबा।

बाबा- नहीं। मुरली में बोला है ये सब है प्रजापिता की कहानी । उसका वर्चस्व था यज्ञ में प्यु का। ब्रह्माबाबा का वर्चस्व नहीं था।

जिज्ञासु- साक्षात्कार तो ब्रह्माबाबा के ही होते थे ना।

बाबा- साक्षात्कार होना बड़ी बात है या साक्षात्कार को समझना और समझाना बड़ी बात है?

सभी- समझना और समझाना।

बाबा- ऐसे-2 बच्चे थे जो मम्मा बाबा को डायरेक्शन देते थे। ड्रिल कराते थे, टीचर बनकरके बैठते थे उनमें बाबा प्रवेश करते थे।

Student: Does it mean that the Shrimad Bhagwat Gita and Mahabharat were also written by the soul of Ram?
Baba: The personality who wrote the Bhaagwat and the Gita...; that Gita emerges from Mahabharata. What? The Gita emerges from Mahabharata. And the Bhagwat that took place in the beginning of the yagya; who became an instrument for those (sisters and mothers) who ran away (from their homes to meet God)? Arey! Who was that person?
Student: Brahma Baba.
Baba: No. It has been said in the Murli, 'all this is Prajapita's story'. There was his influence in the yagya, [the influence] of Piu. There wasn't the influence of Brahma Baba.
Student: It was Brahma Baba whose visions [they] used to have, wasn't it?
Baba: Is it a great thing to have visions or is it a great thing to understand and explain the visions?
Students: To understand and explain [the visions] is a great thing.
Baba: There were such children who used to give directions to Mamma and Baba. They made them perform [spiritual] drill; they took the seat of teachers and Baba used to enter them.

जिज्ञासु- तो बाबा किसने लिखे ये भागवत और ये गीता?

बाबा- जो भी पुराने शास्त्र हैं, जो भी ग्रन्थ हैं वो सब वेद व्यास के रचे हुए हैं। उनका नाम ही है वेद व्यास।

जिज्ञासु- वेद व्यास जो है वो कौनसी आत्मा है संगमयुग में?

बाबा- संगमयुग में जिसने पहले-2 ज्ञान का बीज डाला। किसने डाला? सबसे ज्यादा विस्तार को पत्ता पाएगा, टहनी पाएगी, तना पाएगा, जड़ें पाएगी या बीज ज्यादा विस्तार को पाता है? बीज ही विस्तार को पाता है।

Student: So, Baba who wrote this Bhagwat and the Gita?
Baba: All the old scriptures were written by Ved Vyas. His very name is '**Ved** Vyas'.
Student: Which soul plays the role of Ved Vyas in the Confluence Age?
Baba: [It is] the one who sowed the seed of knowledge first of all in the Confluence Age; who sowed it? Will the leaf, the branches, the stem, the roots or the seed undergo maximum expansion? It is only the seed which undergoes (maximum) expansion.

समय:6.12-10.22

जिज्ञासु- शिवबाबा आप पहले से और यंग दिख रहे हो अभी। एक साल हो गया। मैंने एक साल के बाद देखा आपको। काफी ग्लो आ गया चेहरे पर आपके ।

बाबा- अच्छा? माना शिवबाबा नहीं आ गया। ग्लो आ गया।

जिज्ञासु- ग्लो आ गया आपके चेहरे पर। ऐसे लग रहा है जैसे कि उमर घट रही है।

बाबा- माना शिवबाबा नहीं आ गया।

जिज्ञासु-........

बाबा- तो शिवबाबा के लिए तो ये प्रश्न ही पैदा नहीं होगा।

जिज्ञासु- नहीं ऐसे मैं शरीर को देख रहा था।

Time: 6.12-10.22
Student: Shivbaba, you are looking much younger than earlier. It has been a year. I am seeing you after a year. There is so many glows on your face now.
Baba: Is it so? So does it mean Shivbaba hasn't come, 'glow' came?
Student: Your face is glowing. It is as if your age is decreasing.
Baba: It means that Shivbaba hasn't come.
The student said something.
Baba: So, this question will not arise in case of Shivbaba.
Student: No. I was just looking at the body.

बाबा- इस सृष्टि पर शिवबाबा आया हुआ है ब्राह्मणों के पास। वो शिवबाबा जितना नज़दीक आयेगा तो... वो शिवबाबा जहाँ जितना नज़दीक आता जाएगा तो प्रत्यक्षता होगी या नहीं होगी? अव्यक्त वाणी में बोला है तुम्हारी चलन और चेहरे से और तुम्हारी अव्यक्त स्टेज से बाप की प्रत्यक्षता होगी। अच्छा वो सब बातें छोड़ दो। राजयोग सबसे ऊँचा योग है या नहीं है? राजयोग सबसे ऊँचा है। रामदेव स्वामी वो राजयोग नहीं सिखा रहे हैं। पतंजलि ने वो राजयोग नहीं सिखाया है। शिवबाबा आकरके राजयोग सिखाते हैं। जो राजयोगी होते हैं वो असली योगी हैं।

Baba: Shivbaba has come to this world, to the Brahmins. The closer Shivbaba comes….Wherever and to whatever extent Shivbaba comes closer, will [His] revelation take place or not? It has been said in an *Avyakt Vani* that the revelation of the Father will take place through your face and behaviour, through your *avyakt* stage. OK, leave all those topics. Is *Rajyog* the highest *yog* or not? *Rajyog* is the highest. Swami Ramdev is not teaching that *Rajyog*. That Rajyog has not been taught by Patanjali. Shivbaba comes and teaches *Rajyog*. Those who are *Rajyogis* are the true yogis.

दुनियाँ में जो योग सिखाने वाले योगी हैं, सीखने वाले योगी हैं वो नकली हैं। उन्होंने भी आवाज फलाई चारों तरफ कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है। प्राणायाम से, योगासन से, ये-2 क्रियायें करने से कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है। लेकिन दुनियाँ में कुंडलिनी शक्ति जागृत होने वालों की संख्या बढ़ रही है या दिखाई ही नहीं पड़ रही है? दिखाई ही नहीं पड़ रही है। बूढ़े-2 होते ही जा रहे हैं। तो राजयोग में तो इतनी ताकत होनी चाहिए ना। तो अंत में ऐसी2 आत्मायें संसार के सामने प्रत्यक्ष हो जायें कि भल उनकी उमर ज्यादा हो तो भी फ्रेश और नए दिखाई पड़े। लेकिन वो अवस्था सदा नहीं रहती है। क्या? अव्यक्त वाणी में तो बोला हुआ है आठ इस समय सबसे ज्यादा नीचे-ऊपर हो रहे हैं। 100 की माला तो फिर भी बन जाती है। लेकिन आठ घड़ी में नीचे और घड़ी में ऊपर चले जाते हैं। माना जब ऊपर चले जायेंगे तो दिखाई पड़ेगा कि अरे ये तो दमदार हैं। और नीचे गिरेंगे तो खाली।

The yogis who teach *yog* and the yogis who learn *yog* in the world are false. They have also spread the word everywhere that the Kundalini power can be awakened. The Kunadlini power is awakened through Pranayama, yogasanas, through such and such procedures. But is the number of people whose Kundalini power is being awakened increasing or are they not visible at all? They are not visible at all. They are becoming old. So, there should be such power in *Rajyog*, shouldn't there? So, in the end such souls should be revealed in the world that even if they are old, they should appear fresh and new. But that stage [of theirs] does not remain forever. What? It has been said in the *Avyakt Vani* that eight (souls) are fluctuating up and down to the maximum extent at present. The rosary of 100 is prepared anyway. But the eight go down in a moment and go up in the next moment. It means that when they go up, it will appear as if they are very powerful. And when they fall, they are empty.

<u>जिज्ञासु-</u> 1 तो पक्का रहेगा। 7 गिरेंगे।

<u>बाबा-</u> आठ में वो एक नहीं है? वो भी तो उन्ही आठ में है।

<u>जिज्ञासु-</u> 1 तो गिरता नहीं है।

<u>बाबा-</u> आठ की बात की है अव्यक्त वाणी में कि 100 मणके फिर भी माला में सेट हूए पड़े हैं। सेट दिखाई देते हैं। लेकिन आठ बहुत नीचे ऊपर हो रहे हैं।

Student: One will remain firm. 7 will fall.
Baba: Is that one not included in the eight? He is also included in the eight.
Student: One (among eight) does not fall.
Baba: There is a mention about the eight in the *Avyakt Vani* that 100 beads are set in the rosary anyway, they appear to be set (on their seats), but the eight are fluctuating a lot.

<u>समय: 10.25-11.48</u>

<u>जिज्ञासु-</u> अव्यक्त वाणी में बोला है दो सीट फिक्स हुई हैं, तीन सीट फिक्स हुई हैं। वो तीन को छोड़के बाकी वाले पांच ऊपर नीचे हो रहे हैं या सभी आठ?

<u>**बाबा-**</u> दुनियाँ की तीन कैटिगरी हैं मुख्य। क्या? झाड़ में कितनी कैटिगरि है? मुख्य कैटिगरी कितनी है? तीन। दाईं ओर, बाईं ओर और बीच वाला। तो यहाँ भी तीन मुख्य कैटिगरी हैं। ब्रह्मा परस्त, विष्णु परस्त और शंकर परस्त। ब्रह्मा परस्त को ब्रह्म समाजी कहा गया भक्तिमार्ग में। विष्णु परस्त को वैष्णव सम्प्रदाय वाला कहा गया और शिव परस्त को शैव सम्प्रदाय कहा गया। तो वो तीन सीटों की बात अलग। माना ब्रह्मा कौन है, विष्णु कौन है, शंकर कौन है? ये तीनों सीट फिक्स हो गई। बाकी ये नहीं है कि तीनों ही श्रेष्ठ हैं। तीनों में श्रेष्ठ कौन है?....

Time: 10.25-11.48

Student: It has been said in an *Avyakta Vani* that two seats have been fixed, three seats have been fixed. So, are the five other than the three that are fluctuating up and down or all the eight?

Baba: There are three main categories in the world. What? How many categories are there in the tree? How many are the main categories? Three. On the right side, on the left side and in between; so even here, there are three main categories: worshippers of Brahma, worshippers of Vishnu and worshippers of Shankar. Worshippers of Brahma have been called *Brahma Samaji* in the path of *bhakti*. The worshippers of Vishnu have been called Vaishnavites (*Vaishnav sampradai*). And the worshippers of Shiv have been called Shaivites (*Shaiv Sampradai*). So, the topic of the three seats is different. It means, who is Brahma, who is Vishnu and who is Shankar, all these three seats have been fixed. As for the rest, it is not that all the three are elevated. Who is the elevated one among the three?

………………………………………………………………………………………

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.